

उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परिचित कराने का अवसर

चर्चा में क्यों ?

22 जनवरी को हुए राम मंदिर प्राण प्रतष्ठा कार्यक्रम के महत्त्व पर जोर देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परिचित कराने का एक अवसर है।

मुख्य बटु:

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नमिनलखित नरिदेश दयि थे :
 - रामलला की बालरूपी मूरतकी प्राण प्रतष्ठा का यह बहुप्रतीक्षित समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परिचित कराने का एक अवसर है।
 - श्री अयोध्या धाम को सगिल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का प्रयास कयि जाना चाहयि।
 - प्राण प्रतष्ठा कार्यक्रम में 'नव्य-दविय-भव्य' मंदिर पर पुष्प वर्षा का कार्यक्रम है।
 - रामलला की बाल स्वरूप मूरतकी प्राण प्रतष्ठा के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में देश-वदिश से मेहमान आ रहे हैं।
 - इसमें भारत के सभी प्रांतां से संत-महात्माओं, धर्मगुरुओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी।
 - इस अवसर पर भाग लेने हेतु आने वाले महानुभावों की सुरक्षा एवं सम्मान के पुख्ता इंतजाम कयि गए। हर वीवीआईपी के साथ एक लाइज़नगि ऑफिसर तैनात कयि गया।
 - इसमें ऐसे लोगों को तैनात कयि गया जो श्री राम जन्मभूमि मुक्तियज्ञ और अयोध्या जी के पौराणिक, ऐतहासिक तथा भौगोलिक महत्त्व से परिचित थे।
 - अयोध्या जी को वभिन्न जनपदों से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर पार्कगि की पर्याप्त व्यवस्था की गई।
 - आगंतुकों के परविहन के लयि इलेक्ट्रिक बसों की पर्याप्त उपलब्धता थी।